ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनके आत्मविश्वास पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

शोध निर्देशिका

डॉ0 बीना कुमारी
एम.ए., एम.एड., एम.फिल., पी–एच.डी.
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग
धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़

शोधार्थिनी

श्रीमती प्रतिभा शर्मा
एम.ए. (इतिहास), एम0एड0

प्रस्तावना

प्राचीनकाल से भारत विश्वगुरु की श्रेणी में रहा था क्योंकि विश्वभर के ज्ञानपिपासु ज्ञानार्जन हेतु भारतवर्ष के विश्वविद्यालयों में अध्ययन हेतु आते थे। भारत के विद्वान इस तथ्य से अवगत थे कि शिक्षा का स्वरूप, शिक्षा प्रक्रिया तथा शिक्षा के निहितार्थ समाज में होने वाले सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, पारिवारिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों में परिवर्तन से पारस्परिक रूप से प्रभावित होते हैं। समाज में होने वाला प्रत्येक परिवर्तन शिक्षा तथा शैक्षिक प्रक्रिया में दृष्टिगोचर होता है। बालक विद्यालय के अतिरिक्त सबसे अधिक समय अपने घर–परिवार में व्यतीत करता है, इसलिये विद्यार्थी का आत्मविश्वास, राजनैतिक रुचि एवं उसकी शैक्षिक उपलब्धि पारिवारिक परिवेश से प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलने वाला पारिवारिक परिवेश नगरीय क्षेत्र के विद्यार्थियों की अपेक्षा काफी भिन्नता रखता है। अतः ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उस परिवेश द्वारा प्रभावित होती है

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में शोधार्थिनी द्वारा निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं:–

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न वातावरण का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च पारिवारिक परिवेश एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतंत्रता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में अनुग्रह और त्याग के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण और नगरीय विद्यार्थियों के उच्च पारिवारिक परिवेश एवं निम्न पारिवारिक परिवेश के कारण उनके आत्म–विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके पारिवारिक परिवेश में पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलना।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में मधुर सम्बन्धों एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलना।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में मधुर सम्बन्धों एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में विद्यमान प्रभुत्व और नम्रता के व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में आकांक्षाओं एवं निराशायुक्त व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले खुले संवाद एवं नियंत्रित संवाद के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलनात्मक समीक्षा करना।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले खुले संवाद एवं नियंत्रित संवाद के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करना।

अध्ययन प्रक्रिया

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में जनपद कांशीरामनगर के राजकीय सहायताप्राप्त इण्टरमीडिएट कॉलेजों, जो उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त हैं, के वर्ष 2014 में हाईस्कूल परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया है। समग्र को नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में विभाजित कर 300 छात्र ग्रामीण एवं 300 छात्र नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों से निदर्शित कर कुल 600 छात्रों को सूचनादाता बनाया गया। तत्पश्चात क्षेत्रीय कार्य द्वारा सूचनाओं को एकत्रित कर व्यवस्थापन एवं विवेचन किया गया।

अध्ययन के उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में पारिवारिक परिवेश, आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि एवं राजनैतिक रुचि जैसे चरों के मापन हेतु ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के इण्टरमीडिएट कॉलेजों के निदर्शित 600 विद्यार्थियों पर निम्नलिखित शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया।

1. डॉ0 रेखा अग्निहोत्री द्वारा निर्मित आत्मविश्वास मापनी

सांख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, सह–सम्बन्ध, t-परीक्षण एवं प्रायिकता गुणांक का प्रयोग किया गया।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन जनपद कांशीरामनगर के सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त इण्टरमीडिएट कालेजों में कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं पर किया गया है। ये छात्र माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा संचालित हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2014 में सम्मिलित हुए हैं। समग्र दो भागों को मिलाकर तैयार किया गया है। एक भाग में वे छात्र–छात्राएँ लिये गये हैं जो ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इण्टर कालेजों में अध्ययनरत हैं तथा दूसरे भाग में नगरीय क्षेत्र में स्थित इण्टर कालेजों को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत शोध सर्वेक्षणात्मक प्रकृति का है।

प्रतिदर्श एवं उपकरण चयन

समय एवं धन के अपव्यय से बचने हेतु समग्र से प्रतिदर्श निकालना शोध की वांछनीयता होती है। एक अच्छा प्रतिदर्श वह है जिसमें समग्र की समस्त विशेषताएँ निहित हों एवं समग्र को प्रत्येक इकाई के चुने जाने की समान सम्भावना हो। समग्र से न्यादर्श का चयन करने के लिये शोधकर्त्री ने जिला विद्यालय निरीक्षक कांशीरामनगर के कार्यालय से जनपद के समस्त सरकारी सहायता प्राप्त इण्टर कॉलेजों की सूची प्राप्त की। इन विद्यालयों को भौगोलिक स्थिति के अनुसार ग्रामीण एवं नगरीय दो भागों में विभाजित किया। एक सूची में समस्त ग्रामीण विद्यालयों

को रखा तथा दूसरी सूची नगरीय विद्यालयों की तैयार की। जनपद के कुल 38 इण्टरमीडिएट कालेजों में 17 कॉलेज ग्रामीण अंचल में स्थित हैं तथा शेष 21 कॉलेज नगरीय हैं। इन विद्यालयों में से दैव निदर्शन विधि द्वारा 8 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र से तथा 8 विद्यालय नगरीय सूची में से चयन किये।

आत्मविश्वास एक मनोवैज्ञानिक प्रत्यय है। इसकी तुलनात्मक मीमांसा करने हेतु प्रमाणिक परीक्षण का प्रयोग आवश्यक है। प्रो0 आर0के0 सारस्वत ने अपनी आत्मविश्वास प्रश्नावली में 48 पदों को आत्मविश्वास मापने हेतु प्रयोग किया है। इसमें निम्न 6 क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है :–

1. भौतिक प्रक्षेत्र
2. सामाजिक प्रक्षेत्र
3. शैक्षिक प्रक्षेत्र
4. बौद्धिक प्रक्षेत्र
5. नैतिक प्रक्षेत्र
6. स्वाभाविक प्रक्षेत्र

उपकरण का प्रशासन

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण करना यद्यपि एक कठिन कार्य है किन्तु इनका शोध समस्या के संदर्भ में प्रशासन करना अत्यन्त कठिन कार्य है। जहाँ तक साक्षात्कार अनुसूची, अवलोकन और साक्षात्कार का प्रश्न है, इनका प्रयोग शोधपरक रूप से किया गया और इनकी चर्चा प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में यथास्थान पर की गई है। लेकिन जहाँ तक प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में प्रमाणिक मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के अनुप्रयोग का प्रश्न है, उनका परिचय विगत अनुभाग में किया जा चुका है। इस अध्याय में इन प्रमापीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रशासन के बारे में युक्तिसंगत ढंग से चर्चा की जा रही है।

1. पारिवारिक परिवेश मापनी का प्रशासन : यह परीक्षण हिन्दी बोलने वाले विद्यार्थियों पर लागू किया जा सकता है। इसे माध्यमिक तथा हाईस्कूल के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों, दोनों प्रकार के छात्रों पर लागू किया जा सकता है। इस परीक्षण को व्यक्तिशः या एक समूह दोनों ही रूपों में लागू कर सकते हैं। निदर्शित सूचनादाताओं के व्यक्तिगत सूचनाओं से सम्बन्धित कथन एवं निर्देश बुकलेट के कवरपेज पर अंकित किये गये हैं। इस परीक्षण के लिये यद्यपि कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गयी है, फिर भी प्रायः इसमें 35 से 40 मिनट का समय लगता है।

अंकन : यह त्रिबिन्दु स्केल है जिसमें नकारात्मक कथनों के लिये 0, 1 व 2 क्रमशः 'सदैव', 'कभी–कभी' और 'कभी नहीं' को अंक प्रदान किये गये हैं। जबकि सकारात्मक कथनों को 2, 1 और शून्य अंक प्रदान किया गया है। समग्र सकारात्मक स्कोर Favourable Family Climate बताता है जबकि नकारात्मक समग्र का स्कोर Unfavourable Family Climate को दर्शाता है।

2. आत्मविश्वास मापनी का प्रशासन : इस मापनी का प्रशासन करने के लिये निम्नलिखित निर्देश प्रदान किये गये हैं :–

1. यह स्केल स्वयं प्रशासित प्रकृति का है। समूह प्रशासन में टेस्ट बुकलेट पर दिये गये निर्देशों को शोधकर्ता जोर से पढ़कर एक बार में सुना देगा।

2. इस स्केल के लिये कोई निश्चित समय सीमा नहीं है फिर भी साधारणतः इसे पूर्ण करने में प्रायः 20 मिनट लग जाते हैं।

अंकन : इस मापनी में हाथ द्वारा ही अंकन किया जा सकता है। आत्मविश्वास की कमी दर्शाने वाले सूचनादाता को 1 अंक दिया जाता है अर्थात् गलत के लिये (x) क्रास लगाने वाले के लिये पद संख्या 2, 7, 21, 31, 40, 41, 43, 44, 45, 53, 64, 55 और सही पर (x) क्रास लगाने के लिये शेष पद होते हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि जिन सूचनादाताओं का

यह स्कोर कम होगा, उनका आत्मविश्वास उच्च होगा और जिन सूचनादाताओं का यह स्कोर अधिक होगा उनका आत्मविश्वास निम्न सतर का होगा।

निष्कर्ष

शोध कार्य हेतु शोध अध्येताओं द्वारा परिकल्पनाएँ निर्धारित की जाती हैं। शोध परिकल्पनाओं की पुष्टि अथवा खण्डन दोनों से निर्धारित होता है, उसी के अनुसार निष्कर्ष निस्पादित किये जाते हैं। शोध अध्येत्री ने भी प्रस्तुत शोध कार्य हेतु परिकल्पनाएँ निर्धारित की थीं तथा शोध–उद्देश्य भी निर्धारित किये थे। चतुर्थ अध्याय में व्यवस्थित आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये गये हैं।

शोध अध्येत्री की प्रथम परिकल्पना थी कि नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है। उप परिकल्पना यह भी थी कि नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता है। सारणी संख्या 4.13 एवं 4.14 में इन परिकल्पनाओं को निरस्त किया जा चुका है। अतः ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करने के उद्देश्य क्रमांक 1 तथा 1A हेतु यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनके आत्मविश्वास पर प्रभाव होता है तथा उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में सार्थक अन्तर होता है। नगरीय विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का स्तर अधिक तथा ग्रामीण छात्रों में आत्मविश्वास का स्तर प्रायः निम्न होता है।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है तथा **परिकल्पना** नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के

कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव समान होते हैं, खण्डित हुयी हैं । अतः **उद्देश्य** ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण तथा **उद्देश्य** उच्च पारिवारिक परिवेश एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में स्वतन्त्रता एवं बाध्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव के संदर्भ में यह निष्कर्ष निकलता है कि ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनके आत्म विश्वास पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण विद्यार्थियों का आत्मविश्वास प्रभावित होता है। ग्रामीण परिवारों में पारिवारिक बाध्यता अधिक होने के कारण उन छात्रों का आत्मविश्वास निम्न स्तरीय होता है। उच्च पारिवारिक परिवेश में आत्मविश्वास का स्तर उच्च पाया गया।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई मौलिक भेद नहीं होता तथा **परिकल्पना** नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यमान अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनके आत्मविश्वास पर जो प्रभाव पड़ते हैं उनकी प्रकृति में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता)।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन, **उद्देश्य** ग्रामीण और नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश के कारण आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन। यहाँ प्रथम परिकल्पना की पुष्टि हुई है तथा उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश के सम्बन्ध में परिकल्पना खण्डित हुई है।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय पारिवारिक परिवेश में अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश का प्रभाव ग्रामीण एवं नगरीय

दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थियों पर पड़ता है किन्तु नगरीय विद्यार्थियों पर यह प्रभाव अधिक सकारात्मक होता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर जो प्रभाव पड़ते हैं, उनमें कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उच्च एवं निम्न स्तर के आधार पर व्याप्त पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव समान होते हैं।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके परिवारिक परिवेश में पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : उपर्युक्त परिकल्पनाओं को निरस्त किया गया है। अतः निष्कर्ष स्थापित किया जाता है कि ग्रामीण एवं नगरीय पारिवारिक परिवेश में पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में यह अन्तर स्पष्ट झलकता है। शुचितापूर्ण व्यवहार से ग्रामीण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनके आत्मविश्वास पर जो प्रभाव पड़ते हैं, उनमें कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं पाया जाता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : पारिवारिक परिवेश में ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के प्रति अवधान एवं उपेक्षा का आत्मविश्वास पर प्रभाव पड़ता है। उच्च पारिवारिक परिवेश में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है जबकि निम्न पारिवारिक परिवेश में आत्मविश्वासहीनता बढ़ती है ।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाले स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय विद्यार्थियों एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव समान होते हैं।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाली स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : उपर्युक्त परिकल्पनाओं को ं निरस्त कर उद्देश्यों की प्राप्ति की गयी है तथा यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता का विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश के अन्तर्गत यदि अच्छे कार्यों की स्वीकृति एवं बुरे कार्यों की अस्वीकृति का ध्यान रखा जाये तो विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि की जा सकती है।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति मधुर सम्बन्ध एवं उदासीन सम्बन्धों का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति पाये जाने वाले मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं पाया जाता है।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में मधुर सम्बन्ध एवं उदासीन सम्बन्धों का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में मधुर सम्बन्धों एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवरिक परिवेश में उनके प्रति मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों का आत्मविश्वास पर प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में भी यह प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। मधुर व्यवहार, आत्मविश्वास में वृद्धि एवं उदासीन व्यवहार आत्मविश्वास में ह्रास का कारण बनता है)।

परिकल्पनानगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उन पर विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनके आत्मविश्वास पर जो प्रभाव पड़ते हैं, उनमें कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उन पर विश्वास व अविश्वास के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय परिवेश में विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर विश्वास एवं अविश्वास का प्रभाव पड़ता है। यदि पारिवारिक परिवेश उच्च स्तरीय है तो आत्मविश्वास सार्थक एवं पारिवारिक परिवेश निम्न स्तरीय है तो आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है । ऐसे

बालक जो निम्नस्तरीय परिवारों में रहते हैं, उनके अन्तर हीनता की भावना घर कर जाती है तथा वे कुण्ठा के शिकार हो जाते हैं।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई उल्लेखनीय अन्तर नहीं होता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में विद्यमान प्रभुत्व और नम्रता के व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : उपर्युक्त परिकल्पनाओं कों निरस्त किया जा चुका है। अतः निष्कर्ष यह है कि ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में प्रभुत्व बनाम नम्रता के व्यवहार के कारण उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में इसी व्यवहार के कारण आत्मविश्वास के विकास में सार्थक अन्तर पाया गया है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में आकांक्षाओं एवं निराशायुक्त व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है तथा विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनके आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर पाया गया है ।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवादों के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई उल्लेखनीय अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यमान खुले संवाद एवं नियंत्रित संवादों के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव प्रायः समान होते हैं।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवाद के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करना।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवाद के कारण उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करना।

निष्कर्ष : आत्मविश्वास की अन्तिम दोनों विमाओं का विवेचन प्रदर्शित किया गया है। उन परिकल्पनाओं के अपुष्ट होने से निष्कर्ष प्राप्त किया गया है कि ग्रामीण एवं नगरीय पारिवारिक परिवेश में खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवाद द्वारा आत्मविश्वास प्रभावित होता है। उच्च पारिवारिक परिवेश में खुले संवाद एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में नियन्त्रित संवाद के कारण उनके आत्मविश्वास का स्तर निम्न हो जाता है।

शोध संदर्भ

1. Acoff, R.L. Design of Social Research, University of Chicago Press, Chicago, 1958, p. 5.
2. Seltiz Clare. Research Method in Social-Relation, Holt Renehart and Winston, New York, 1962, p. 50.
3. Ghildiyal, A.K. Political Development in Garhwal, Classical Publishing Company, New Delhi, 1994, p. 36.
4. John W. Best. Research in Education, p. 102.
5. Mouley, G.J. The Science of Educational Research, 1963, p. 231.
6. Amand, G.A. and Pawell, G.B. Comparative Politics – A Development Approach, Little and Company, Boston, 1966, p. 25.
7. Young, P.V. Scientific Social Survey and Research, Asia Publishing House, Mumbai, 1960, p. 44.

Lundberg, G.A. Social Research, New York, Longsman, 1942, p. 183

δ δ δ δ δ